# मिशन मंझरिया

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर श्री गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक–कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन–पाठन के साथ–साथ जन सरकारों से सीधा संवाद स्थापित किया। गांव से शिक्षकों–विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु 'एक विभाग–एक गांव की योजना की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया। इसी क्रम में 2015–17 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबन्धक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गांवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम औराही, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान ने आदर्श ग्राम योजना को अनुभव–जन्य गति प्रदान किया।

इसी क्रम में महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव गोद लेने की परम्परा है, जिसे गति प्रदान करने हेतु बी.एड्. विभाग ने ग्राम मंझरिया को गोद लिया है। निरन्तर शिक्षा, स्वास्थ्य स्वच्छता स्वावलम्बन की दिशा में अग्रसर है। गत सत्र की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सत्र 2023–24 ई. को योजनानुसार महाविद्यालय नये सत्र के संचालन के साथ–साथ ग्राम मंझरिया का संचालन सत्र के प्रारम्भ 22 जुलाई, 2023 से ही किया गया।

## बी.एड्. विभाग के ''मिशन मंझरिया'' के अन्तर्गत पौधरोपड़ कार्यक्रम

**22 जुलाई, 2023**

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग के शिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मिशन मंझरिया के अन्तर्गत पौधरोपड़ कार्यक्रम, मंझरियां गाँव में आयोजित किया गया। पेड़–पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। ये हमें न सिर्फ आक्सी देतल्कि तमाम प्रकार के फल–फूल, जड़ी बूटियाँ और लकड़ियाँ आदि भी देते हैं। घर के आस–पास पौधेरोपण करने से गर्मी, भू–क्षरण, धूल आदि की समस्या से बच सकते हैं। यदि हम वास्तव में जीवित रहना चाहतें हैं और अच्छा जीवन जीना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़–पौधे लगाने के तरफ अग्रसर होना ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

इस कार्यक्रम में मंझरियां गाँव में जामुन, आम, अमरूद, सागौन आदि विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया और यह

संदेश दिया गया कि 'पर्यावरण प्रकृति का अनुपम उपहार है, जिसमें जीवन जीने के आधार के रूप में लिया जाना चाहिए।'' इस कार्यक्रम में महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी. एड् विभाग, की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह, विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह, सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी, सहायक आचार्य सुश्री दिप्ती गुप्ता एवं अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे एवं बी.एड्. के प्रशिक्षणार्थी अर्चना यादव, शिवांगी, शिवेन्द्र, आलोक सहित अन्य प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे। ''स्वस्थ और सुन्दर भारत की परिकल्पना सदियों से रहा है। राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की शुद्धता अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हरे–भरे पेड़–पौधे आज के भौतिकवादी और बाजारवादी जीवन शैली से हो रहे नुकसान को कम करते है। पर्यावरण संकट से बचने के लिए हमें वृक्षों की कटाई को रोकना होगा तथा अधिक से अधिक पेड़ों को लगाना होगा इस विचार को आत्मसात करते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

## मिशन मंझरिया, ग्राम भ्रमण

### ग्राम भ्रमण निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र की पर्ची बांटकर प्रचार-प्रसार

**06 अगस्त, 2023**

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग के शिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मिशन मंझरिया के अन्तर्गत मंझरिया गाँव का भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण छात्रों को वास्तविक ज्ञान प्रदान करते हैं। छात्र इनकी मदद से विषय–वस्तु का ज्ञान एवं उसके स्थान पर जाकर करते है। फलतः इस तरह का ज्ञान वास्तविकता के अति निकट एवं कहीं ज्यादा स्थायी होता है। इसी उद्देश्य को लेते हुए 'मिशन मंझरिया' के अन्तर्गत 'ग्राम्य भ्रमण का आयोजन कराया गया। इस भ्रमण के अन्तर्गत ग्रामवासियों को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के विषय में जानकारी दी गई, एवं मिशन मंझरिया के अन्तर्गत मंझरिया

गाँव में संचालित हो रहे विभिन्न शिक्षण केन्द्रों जैसे– स्वामी विवेकानन्द प्रशिक्षण केन्द्र, रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र, केन्द्रों पर जो कि बी.एड्. प्रशिक्षुओं द्वारा संचालित होता है को केन्द्रों के सुनियोजित ढंग से चलाने के लिए 'वार्षिक योजना' की जानकारी दी गई। इस प्रकार बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए ग्राम मंझरिया को पूर्णत शिक्षित करने के लक्ष्य को पूरा करने के पहले कदम के उद्देश्य हेतु इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की जानकारी हेतु भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

## साप्ताहिक स्वच्छता अभियान

ग्राम मंझरिया में सेवाव्रती छात्राध्यापकों एवं ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के द्वारा सप्ताह में एक दिन शनिवार को अपने घर के सामने अपने परिसर क्षेत्र में स्वच्छता कार्यक्रम किया जाता है। इस अभियान के कारण ग्रामवासियों में अपने घर एवं अपने परिसर में सफाई करने के प्रति जागरूकता का विकास होता है। ग्रामवासी अपने परिसर को स्वच्छ बनाते है।

## साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रत्येक शुक्रवार को सभी छात्राध्यापक प्रभारी अपने केन्द्र पर पढ़ रहे बच्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं, जिसमें बच्चों को गायन, नृत्य, कविता आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस कार्यक्रम बच्चों एवं छात्राध्यापकों द्वारा ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह बच्चों के सर्वांगीण विकास में अत्यन्त सहायक होता है।

## कला प्रतियोगिता

सेवाव्रती छात्राध्यापकों द्वार कला प्रतियोगिता का आयोजन भी केन्द्रों पर किया जाता है। कला के माध्यम से बच्चों द्वारा अपने मनोभावों को कागज पर चित्र के माध्यम से उकेत जाता है। कागज के पन्नों पर बच्चों द्वारा अपने बनाये गये चित्रों को दिखाते हुए बच्चे अपने को अत्यंत अह्लादित महसूस करते हैं।

## ग्राम मंझरिया के लिए सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ योजना बैठक

08 अगस्त 2023 को बी.एड्. विभाग में मिशन मंझरिया को पुनः नये सत्र के संचालन हेतु बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों के साथ योजना बैठक कर नयी योजना बनायी गयी। सभी शिक्षण केन्द्र सुनिश्चित किये गये। सभी शिक्षण केन्द्र के अलग–अलग प्रभारी एवं सहयोगी का चयन किया गया। मिशन मंझरिया के सेवा अभियान के लिए विस्तृत कार्ययोजना पर विमर्श किया गया।

# प्रभारी - आशीर्वाद कश्यप

### 1. माँ सीता शिक्षण केन्द्र

(A) अरूण कुमार

(B) अर्पणा सिंह

### 2. सयाजी राव गायकवाड़ शिक्षण केन्द्र

(A) आशीर्वाद कश्यप

(B) पूजा मद्धेशिया

### 3. रानी लक्ष्मीबाई केन्द्र

(A) कुमार साधना

(B) गीताजंलि सिंह

### 4. वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र

(A) श्वेता पटेल

(B) बबली चौहान

### 5. माँ कात्यायनी शिक्षण केन्द्र

(A) बबली चौहान

(B) नरसिंह पासवान

(C) गीताजंलि सिंह

(D) अर्पणा सिंह

### 6. श्री पद्मिनी शिक्षण केन्द्र

(A) नरसिंह पासवान

(B) शालू मद्धेशिया

### 7. स्वमी विवेकानन्द शिक्षण केन्द्र

(A) श्वेता पटेल

(B) आशीर्वाद कश्यप

(C) कुमारी साधना

### 8. काव्यायनी शिक्षण केन्द्र

(A) शालू मद्धेशिया

(B) अरूण कुमार

(C) पूजा मद्धेशिया

## शिक्षण कार्य प्रारम्भ

ग्राम मंझरिया में 10.08.2023 से सेवाव्रती छात्राध्यापकों द्वारा अपने–अपने आठ केन्द्रों पर शिक्षा एवं समाज सेवा का कार्य प्रारम्भ किया गया। प्रभारी एवं सहयोगी मिलकर सभी आठ केन्द्रों पर समूह बनाकर पढ़ाने का कार्य प्रारम्भ किये।

# स्वतंत्रता दिवस

**15 अगस्त, 2023**

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग के मिशन मंझरिया के अन्तर्गत बी.एड्. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मंझरिया गाँव में संचालित विभिन्न शिक्षा केन्द्रों पर 15 अगस्त के संचालित विभिन्न शिक्षा केन्द्रों पर 15 अगस्त के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराया गया। 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस का दिन भारतीयों के लिए गर्व और उत्साह की बात है। इस दिन भारतीय सांस्कृतिक धरोहर, स्वतन्त्रता संग्राम के शहीदों और महान नेताओं के संघर्ष का सम्मान करते हुए मनाया जाता है। इसी सम्मान के क्रम में बी.एड्. विभाग के मिशन मंझरिया के अन्तर्गत मंझरिया ग्राम में स्वचालित विभिन्न शिखा केन्द्र जैसे–माँ सीता शिक्षण केन्द्र, सयाजीराव

गायकवाड़ केन्द्र, रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र, वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र आदि के सभी बच्चें और प्रशिक्षणार्थी एक ही केन्द्र 'सयाजीराव गायकवाड' केन्द्र पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किये, इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड्. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्वतन्त्रता दिवस के महत्व के विषय में विद्यार्थियों को बताया गया इण्डारोहण करने के उपरान्त विभिन्न विद्यार्थियों द्वारा जैस– परी चौहान, प्रीती चौहान, अनुराधा, सुकन्या, मुस्कान आदि द्वारा ग्रुप डाँस तथा वांशिका शर्मा, अनुराधा प्रजापति द्वारा स्पीच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समाप्त होने के उपरान्त सभी विद्यार्थियों में मिष्ठान वितरित कराया गया।

## साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

सप्ताह के प्रथम दिन सोमवार को शिक्षण कार्य से पूर्व बच्चों को योग, व्यायाम, प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ शिक्षण कार्य के उपरान्त खेल कूद का भी अभ्यास कराया जाता है। खेलकूद, योग, प्राणायाम, ध्यान से सभी छात्र के आध्यात्मिक विकास की ओर मार्ग प्रशस्त करता हैं। साथ ही इस भौतिक जीवन को भी समरस बनाता है। योग, प्राणायाम, खेल के माध्यम से शरीर भी स्वस्थ्य बनता है। अरस्तु ने कहा कि ''स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है।'' यह इसी भावना को चरितार्थ करता है।

# शिक्षक दिवस समारोह

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत 05.09.2023 को सभी सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ मिलकर सभी केन्द्र के बच्चे एकजूट होकर सीता शिक्षण केन्द्र पर शिक्षक दिवस कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सुन्दर प्रदर्शन किया।

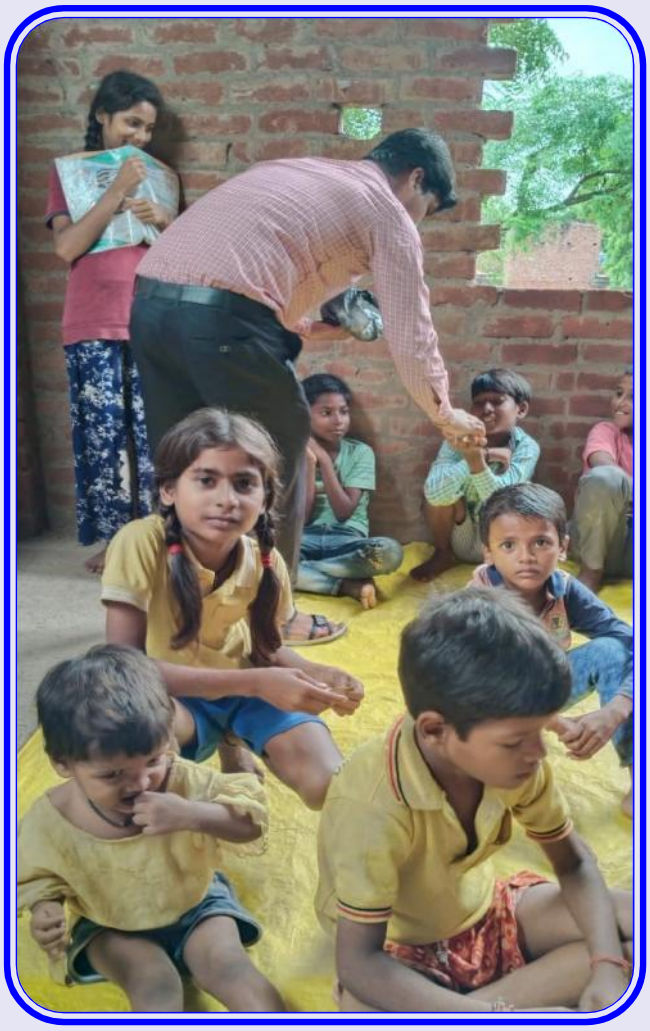

2 OCTOBER - 2023

## जन्माष्टमी कार्यक्रम

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत 07.09.2023 को सभी सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ मिलकर सभी केन्द्र के बच्चे एकजूट होकर सीता शिक्षण केन्द्र पर जन्माष्टमी कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सुन्दर प्रदर्शन किया गया।

# गांधी जयन्ती

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत 02.10.2023 को सभी सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ मिलकर सभी केन्द्र के बच्चे एकजूट होकर सीता शिक्षण केन्द्र पर गांधी जयन्ती कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सुन्दर प्रदर्शन किया गया।

# मंझरिया ग्राम में चिकित्सा शिविर का आयोजन

**19 दिसम्बर, 2023**

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड विभाग द्वारा गोद लिए गांव मंझरिया में **मिशन मंझरियां** अभियान के तहत **चिकित्सा शिविर** का आयोजन किया गया। मिशन मंझरिया अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिह ने बताया कि महाविद्यालय अपने संस्थागत सामाजिक दायित्वों के अन्तर्गत अपनी भूमिका का सक्रिय एंव सजग रूप से क्रियान्वयन कर रहा है। इसी क्रम में गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय, बाबा राघवदास मेडिकल कालेज एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम बालापार के चिकित्सकों द्वारा समय–समय पर महाविद्यालय के विविध विभागों द्वारा गोद लिए गए विभिन्न गांवो में चिकित्सा शिविरों के माध्यम से अपनी सेवा प्रदान करते हैं। इसी अभियान के तहत आज ग्राम मंझरियों में

गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय के चिकित्सकों के निर्देशन मे एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 102 ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षक कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की गई। शिविर के आयोजन में बी.एड्. विभाग के आशीर्वाद कश्यप, अपर्णा सिंह, अरूण कुमार, पूजा मद्येशिया, नरसिंह पासवान, कुमारी साधना, स्वेता पटेल, बबली चौहान, गीतांजलि सिंह आदि छात्राध्यापकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

## गणतंत्र दिवस समारोह

ग्राम मंझरिया में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी शिक्षण केन्द्र एक स्थान पर एकत्रित होकर रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र पर गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2024) का कार्यक्रम मनाये जिसमें सभी शिक्षण के बच्चे, प्रभारी, छात्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान, नृत्य, संगीत, गीत, कविता, चुटकुले आदि का आयोजन किया गया।

## खेलकूद प्रतियोगिता

मन से मंझरिया के लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी बच्चों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। सेवावृती छात्राध्यापकों ने विजयी टीम को पुरस्कृत किया।

# ग्रामीण महिला सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण

**03 से 09 जनवरी, 2024**

**आत्मनिर्भर महिला, आत्मनिर्भर भारत की नींव है**

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **जे.के. अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर** द्वारा प्रायोजित एवं **सिंगर इंडिया लिमिटेड** के सहयोग से आयोजित **'उन्नत भारत अभियान में मिशन शक्ति'** के अन्तर्गत **सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला** आज से आरम्भ हुई। इस अवसर पर उपस्थित प्रशिक्षार्णिथों को सम्बोधित करते हुए सिगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के **सीनियर आफिसर श्री पवन राजपूत** ने कहा कि महिलाओं के स्वावलंबन से ही भविष्य के स्वावलंबी भारत का निर्माण सम्भव है। आज के तेजी से मजबूत हो रहे भारत में महिलाओं की भागीदार को और अधिक बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। सरकार की इन्ही योजनाओं में से एक महत्वपूर्ण योजना **उन्नत भारत अभियान** एवं **मिशन शाक्ति अभियान** है। महिलाओं की उन्नति से ही, भारत उन्नत होगा। इस अवसर पर महाराणा प्रताप महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा गोद लिए गए गांव **छोटी रेतवाहियां, बड़ी रेतवाहियां, मंझरियां** तथा **हसनगंज** के चयनित **1150 महिलाओं, बालिकाओं** को सिलाई–कढ़ाई का प्रशिक्षण देकर इन्हें आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर करने का कार्य प्रारम्भ हुआ। प्रशिक्षण कार्यशाला चार केन्द्रो महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र प्रथम एवं द्वितीय तथा महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स गोरखपुर पर संचालित हो रही है। आज कार्यशाला के प्रथम दिवस पर सभी प्रशिक्षण केन्द्रो पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं में तीव्र उत्साह दिखा।महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर केन्द्र

पर **श्री पवन राजपूत**, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र 01 पर श्री नरेश कुमार, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र 02 पर श्री ललित सरोज एवं महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स गोरखपुर केन्द्र पर **श्री मोहित** द्वारा प्रशिक्षण कार्य किया गया। आज प्रशिक्षकों द्वारा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई मशीन का सामान्य परिचय देते हुए सिलाई मशीन के विभिन्न उपकरणों, उनकी कार्यप्रणालियों एवं इनमें रख–रखाव तथा मरम्मत का प्रशिक्षण दिया गया।

साथ ही आज प्रशिक्षकों द्वारा सिलाई मशीन एवं उनके उपकरणों की एक छोटी से प्रदर्शनी भी लगाई गई। आज चारो केन्द्रों पर 2–2 पालियों में 1100 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। महाविद्यालय के उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने चारों केन्द्रों के प्रशिक्षकों के प्रति हार्दिक आभार ज्ञापित किया।

# समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : श्री अवनीश अवस्थी

भारत का विकास गांवो के विकास एवं उनके स्वावलम्बन में छिपा है। भारत आज सशक्त राजनैतिक नेतष्त्व के हाथों में है। आज भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी में विकसित देशों के कन्धे से कन्धा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्योगों का क्षेत्र हो या निर्यात का औषधिका क्षेत्र हो या रक्षा उपकरणों के निर्माण का सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति विश्व में कौतूहल पैदा कर रही है। आज पूरा विश्व आशा के साथ भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के विकास एवं स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। ऐसे में जे.के. अर्बन सेप्स डेवेलपर्स एवं सिंगर ग्रुप द्वारा आयोजित सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला निःसन्देह महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति'** प्रकल्प के अन्तर्गत जे.के. अर्बन सेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर **माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के सलाहकार श्री अवनीश कुमार अवस्थी** ने कहीं। उन्होने आगे कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार के तमाम सारी सरकारी योजनाओं के केन्द्र के महिलाएं हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाए बिना भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने

की सोचना बेमानी है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि **भारत के आजादी के शताब्दी वर्ष यानी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हम सभी का संकल्प होना चाहिए।** कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पिपराईच विधान सभा क्षेत्र के माननीय विधायक **श्री महेन्द्रपाल सिंह जी** ने कहा कि **भारत की आत्मा गांवों में बसती है।** गांवो की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन

की दिशा में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। इस दिशा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद निरन्तर सजग रूप से पूर्वांचल के विकास में अपना सक्रिय योगदान दे रहा है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतष्त्व में आज उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन चुका है और देश के सर्वोत्तम प्रदेश बनने की राह पर है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में गोरखपुर जिला के माननीय **जिलाधिकारी श्री कष्ष्णा करूणेश** ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को

सम्बोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ ही उन्हे आर्थिक दष्ष्टि से स्वावलंबी बनाने में मद्द करेगा। उपस्थित प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को सिर्फ अपने पास तक सीमित न रखें। **ज्ञान व हुनर बांटने से बढ़ता है।** अतः यहाँ कार्यशाला

से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली प्रत्येक महिला का यह धर्म है कि वह अपने आस–पड़ोस की कुछ महिलाओं को यह हुनर सिखाए। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं से स्वयं सहायता समूह के निर्माण की भी बात कही कि इससे हर महिला की आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान समय में गोरखपुर में ऐसे ही 16 लगभग हजार से ज्यादा महिलाओं के स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं

तथा विविध सरकारी योजनाओं का लाभ भी ले रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के तकनीकी सलाहकार **डॉ. जी.एन.सिंह** ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि **महिलाओं के सहयोग के बिना भारत का विकास संभव नहीं है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपना सक्रिय सहयोग कर रहा है।** मिशन शक्ति एवं उन्नत भारत अभियान जैसे प्रकल्पों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण एवं स्वावलंबन की दिशा में इस संस्था द्वारा किए जाने वाले कार्य प्रशंसनीय हैं। कार्यक्रम में सिंगर इंडिया लिमिटेड की एच.आर. हेड **श्रीमती अल्पना शरना** ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को उनके प्रश्क्षिण सम्बन्धी पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी अन्य सामान्य जानकारी से परिचित कराया। इससे पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत किया। जे.के. समूह के वाइस प्रेसीडेंट **श्री आशीष चौहान** जी ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने एवं अतिथि आभार **डॉ. मंजेश्वर** ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं **शिवांन्या, दीपशिखा एवं सोनिका** द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम् का सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

जे.के. अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से **'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति'** प्रकल्प के अन्तर्गत आयोजित सप्त दिवसीय सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के चौथे दिन आज सिंगर इंडिया लिमिटेड की मुख्य प्रशिक्षिका सुश्री **मनप्रीत** ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर केन्द्र पर सिलाई के विविध प्रकारों के विषय में प्रशिक्षुओं को जानकारी दी। सुश्री **मनप्रीत** जी ने केन्द्र पर उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि **इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर बनाना** है। **सिलाई–कढ़ाई के कौशल ज्ञान से परिपूर्ण महिला देश के आर्थिक विकास में सहयोगी बनें, इसी को ध्यान में रखकर ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन बड़े पैमाने पर सरकारी दिशा निर्देश एवं संरक्षण में किया जा रहा है।** आज के तीनों प्रशिक्षण सत्रों में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र 1 एवं 2 तथा महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ केन्द्र पर सिलाई–कढ़ाई के विस्तष्त पाठ्यक्रम की जानकारी देने के साथ–साथ सिलाई मशीन के पुर्जों की क्रिया विधि एवं मरम्मत, अस्थाई सिलाई, टी.टी. लीवर, शटल हुक, फीड़ डाग और सुई के साथ बाबिन केस के बीच सिलाई प्रक्रिया, विभिन्न प्रकार क मेजरिंग स्केल एवं विभिन्न प्रकार के परिधानों का नाप लेना सिखाया गया। इस अवसर पर तीनों केन्द्रों में कुल मिलाकर 800 से अधिक प्रशिक्षणार्थी महिलाएँ उपस्थित रहीं।

# भारत की उन्नति में महिलाओं का अहम योगदान है– डॉ. श्रेयांश कुमार जैन

एक राष्ट्र तभी सशक्त बन सकता है, जब उसका प्रत्येक नागरिक सशक्त हो। राष्ट्र के सशक्तिकरण में महिलाओं की भूमिका अहम है। स्वतंत्रता पूर्व भारत में महिलाओं की स्थिति अत्यन्त चिन्ताजनक थी, स्वतंत्रता के बाद से ही भारतीय महिलाओं का सर्वांगीण विकास हमारे नीति निर्धारकों का केन्द्रीय विषय रहा है। भारत की पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा 1970 के दशक में जहाँ महिला कल्याण की अवधारणा अपनायी गयी, वहीं 1980 के दशक में उनके विकास पर जोर दिया गया। 1990 के दशक में महिला अधिकारिता यानी सशक्तिकरण पर जोर देने के साथ ही यह प्रयास भी किया गया कि महिलाएँ निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल हों एवं नीति निर्माण के स्तर पर भी उनकी सहभागिता रहे। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। इस क्रम जे0के0 अर्बनसेप्स डेवलेपर्स लिमिटेड एवं सिंगर इण्डिया लिमिटेड ग्रुप द्वारा आयोजित निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला निःसन्देह महिलाओं के स्वावलंबी बनने में मद्दगार होगी। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति'** प्रकल्प के अन्तर्गत

जे0के0 अर्बनसेप्स डेवलेपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित एवं सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सप्तदिवसीय (03–09 जनवरी) निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समारोप कार्यक्रम के अवसर पर **आई. आई.टी.बी.एच.यू. के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन** ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है, स्वावलंबी होने से महिलाओं का स्वाभिमान और आत्मसम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही वह प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ने की क्षमता भी प्राप्त कर लेती है। आर्थिक दष्टि से स्वावलंबी होने से महिलाओं को हीन भावना से भी मुक्ति मिलती है, इसीलिए **आज के वर्तमान समय में महिला शक्ति को परजीवी न होकर स्वावलंबी बनना चाहिए।** कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन देते हुए **आई. आई.टी.बी.एच.यू. के आचार्य डॉ. मनहर चरन जी** ने कहा कि महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कषति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से चर्चा एवं चिन्ता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद, भारत में महिलाओं को आज भी कईं मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में, महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत सरकार के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में **आई.आई.टी.बी.एच.यू. के**

**आचार्य डॉ. शैल शंकर जी** ने उपस्थिति प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ–साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने में सहयोगी होगा। आगे उन्होंने कहा कि महिला स्वावलंबन का अर्थ केवल आर्थिक आत्म निर्भरता नहीं है, बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में उसकी स्वतंत्रता से है। एक महिला गृहणी होते हुए भी स्वावलंबी होती है। स्वावलंबी होने का अर्थ मात्र नौकरी, व्यवसाय अथवा किसी प्रोफेशन के माध्यम से धन आर्जित करना नहीं है बल्कि एक महिला का परिवार एवं समाज की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। इसी क्रम में **उन्नत भारत अभियान के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री आशीष कुमार सिंह** ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत सरकारी योजनाओं को आमजन तक बताने एवं पहुंचाने का कार्य किया जाता है। इसी क्रम में उन्नत भारत अभियान में मिशन शक्ति के अन्तर्गत निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षित कर स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर **उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम संयोजक डॉ. मंजेश्वर** ने सप्तदिवसीय निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के तीन प्रशिक्षण केन्द्रों पर आयोजित किया गया। जिसमें **ग्राम–मंझरियाँ, छोटी रेतवाहियाँ, बड़ी रेतवाहियाँ एवं हसनगंज की 1150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।**

कार्यशाला के माध्यम में महिलाओं को सिलाई मशीन के उपकरणों एवं क्रियाविधि के साथ–साथ उसके कुशल संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं आभार ज्ञापन महाविद्यालय के **प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने किया। कार्यक्रम का संचालन **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं **शिवांन्या, दीपशिखा एवं सोनिका** द्वारा सरस्वती वन्दना, संकल्प गीत एवं वन्देमातरम् सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

# बारह स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

## गुरुवार को होगा औपचारिक उद्घाटन, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि

सत्य संगम संवाददाता

**गोरखपुर।** महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया।

सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जेके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसड़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश मौजूद रहेंगे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल के बारे में एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसड़, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस, योगी गंभीरनाथ सेवाश्रम, महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसड़, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज व महाविद्यालय रमदत्तपुर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही हैं।

**♦ प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को मुफ्त दी जाएगी सिलाई मशीन**

निशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण चार केंद्रों के अंतर्गत 12 स्थानों पर शुरू किया गया है। एमपीपीजी कॉलेज केंद्र के अंतर्गत हसनपुर गांव और कॉलेज द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम- 1 केंद्र के अंतर्गत मंझरिया और बड़ी रेतवहिया गांव, सेवाश्रम-2 केंद्र के तहत महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसड़, छोटी रेतवहिया व चतुर्थ श्रेणी कमर्चारी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ मरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एमपीपीजी कॉलेज मे उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।

# प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को मुफ्त दी जाएगी सिलाई मशीन

**मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।**

गोरखपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निशुल्क सिलाई–कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जेके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उदघाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और कृष्णा करुणेश मौजूद रहेंगे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल के बारे में एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) इंटर कॉलेज सिविल लाइंस, योगी गंभीरनाथ सेवाश्रम, महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसढ़, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज व महाविद्यालय रमदत्तपुर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही हैं।

निशुल्क सिलाई–कढ़ाई का प्रशिक्षण चार केंद्रों के अंतर्गत 12 स्थानों पर शुरू किया गया है। एमपीपीजी कॉलेज केंद्र के अंतर्गत हसनपुर गांव और पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम– 1 केंद्र के अंतर्गत मंझरिया और बड़ी रेतवहिया गांव, सेवाश्रम–2 केंद्र के तहत महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसढ़, छोटी रेतवहिया व चतुर्थ श्रेणी कमर्चारी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ मरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एमपीपीजी कॉलेज मे उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह की सक्रिय

# बारह स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

संवाददाता

गोरखपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जेके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसड़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश मौजूद रहेंगे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल के बारे में एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसड़, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस, योगी गंभीरनाथ सेवाश्रम, महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसड़, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज व महाविद्यालय रमदत्तपुर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही हैं।

- 'गुरुवार को होगा औपचारिक उद्घाटन, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि'
- प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को मुफ्त दी जाएगी सिलाई मशीन'

निशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण चार केंद्रों के अंतर्गत 12 स्थानों पर शुरू किया गया है। एमपीपीजी कॉलेज केंद्र के अंतर्गत हसनपुर गांव और कॉलेज द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम- 1 केंद्र के अंतर्गत मंझरिया और बड़ी रेतवहिया गांव, सेवाश्रम-2 केंद्र के तहत महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसड़, छोटी रेतवहिया व चतुर्थ श्रेणी कमर्चारी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एमपीपीजी कॉलेज मे उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।

# बारह स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

- गुरुवार को होगा औपचारिक उद्घाटन, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जेके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसड़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश मौजूद रहेंगे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल के बारे में एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसड़, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस, योगी गंभीरनाथ सेवाश्रम, महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसड़, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज व महाविद्यालय रमदत्तपुर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही हैं। निशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण चार केंद्रों के अंतर्गत 12 स्थानों पर शुरू किया गया है। एमपीपीजी कॉलेज केंद्र के अंतर्गत हसनपुर गांव और कॉलेज द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम- 1 केंद्र के अंतर्गत मंझरिया और बड़ी रेतवहिया गांव, सेवाश्रम-2 केंद्र के तहत महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसड़, छोटी रेतवहिया व चतुर्थ श्रेणी कमर्चारी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है।

बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एमपीपीजी कॉलेज मे उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।

## रविनिषाद बने डीडीयू के उप कुलसचिव

गोरखपुर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव रवि कुमार निषाद को शासन ने उप कुलसचिव पद पर प्रमोट कर दिया है। मूल रूप से प्रयागराज के करेली निवासी रवि निषाद वर्ष 2020 में सहायक कुलसचिव पद पर चयनित हुए थे। चयन के बाद उन्हें डीडीयू में ही पहली नियुक्ति मिली थी। वे सहायक कुलसचिव (परीक्षा) के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। अब वे डीडीयू में ही उप कुलसचिव होंगे। उनके उप कुलसचिव बनाए जाने के आदेश के बाद कुलपति प्रो. पूनम टंडन, कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, वित्त अधिकारी संत प्रकाश सिंह, उप कुलसचिव चन्द्रेश धीमान, लेखाधिकारी डीसी लाल, संपति अधिकारी अधिकारियों व कर्मचारियों ने बधाई दी है।

# बारह स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

## गुरुवार को होगा औपचारिक उद्घाटन, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि

**निष्पक्ष प्रतिदिन** । गोरखपुर,ब्यूरो



महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जेके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश मौजूद

में एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस, योगी गंभीरनाथ सेवाश्रम, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज व महाविद्यालय रमदत्तपुर महत्वपूर्ण भूमिका

# १२ स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

**- गुरुवार को होगा औपचारिक उद्घाटन सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि**

**- प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को मुफ्त दी जाएगी सिलाई मशीन**

गोरखपुर (विधान केसरी)। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जेके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश मौजूद रहेंगे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल के बारे में एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय ;एमपीपीजी कॉलेजद्ध जंगल धूसड़, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज



सिविल लाइंस, योगी गंभीरनाथ सेवाश्रमए महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसड़, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज व महाविद्यालय रमदत्तपुर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही हैं।

निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण चार केंद्रों के अंतर्गत 12 स्थानों पर शुरू किया गया है। एमपीपीजी कॉलेज केंद्र के अंतर्गत हसनपुर गांव और कॉलेज द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम. 1 केंद्र के अंतर्गत मंझरिया और बड़ी रेतवहिया गांव, सेवाश्रम.2 केंद्र के तहत महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसड़, छोटी रेतवहिया व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित एमपीपीजी कॉलेज मे उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।

# 'ग्रामीणों के स्वावलंबन में छिपा है भारत का विकास'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी का स्वागत करते डा. प्रदीप कुमार राव व अन्य मंचासीन अतिथि ● सौ. स्वयं

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी से विकसित देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है, क्योंकि यहां विकास के हर कार्य गांव से शुरू हो रहे। ऐसा इसलिए कि भारत का सशक्त नेतृत्व यह जानता है कि देश का विकास गांवों के विकास और ग्रामीणों के स्वावलंबन में छिपा है। वह गुरुवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के तहत आयोजित सात दिवसीय निश्शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के औपचारिक उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यशाला महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगी। कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की तमाम सरकारी योजनाओं के केंद्र में महिलाएं हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाए बिना भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने की सोचना बेमानी है। पिपराइच के विधायक महेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। गांवों की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ ही उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी बनाने में मदद करेगा। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव, संचालन शिप्रा सिंह और आभार ज्ञापन डा. मंजेश्वर ने किया।

# महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास

सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण ●सौ. कालेज प्रबंधन

## सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन, महिलाओं को स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम : डा. शैल शंकर

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति और समाज में महिलाओं ने सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। बावजूद इसके स्वतंत्रता के बाद भारत में उनकी स्थिति बहस और चिंता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद महिलाओं को कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है। यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' के तहत आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आइआइटी बीएचयू डा. मनहर चरण ने कहीं।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया जाना अभिनंदनीय है। विशिष्ट अतिथि आइआइटी, बीएचयू के आचार्य डा. श्रेयांश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है, जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। इस दृष्टिकोण से हमें भारत की आधी आबादी यानी महिलाओं के स्वावलंबन और उनकी आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। अन्य विशिष्ट अतिथि आइआइटी बीएचयू के आचार्य डा. शैल शंकर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा। कार्यक्रम को उन्नत भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक आशीष कुमार सिंह, कार्यक्रम संयोजक डा. मंजेश्वर आदि ने संबोधित किया। डा. मंजेश्वर ने बताया कि कार्यशाला में 1150 महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई की विधा में प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव और संचालन शिप्रा सिंह ने किया।

# समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : अवनीश अवस्थी

**एमपी महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ**

**आर्थिक स्वावलंबन में ऐसी कार्यशालाएं महत्वपूर्ण: महेन्द्र पाल सिंह**

गोरखपुर (एसएनबी)। आज भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी से विकसित राष्ट्रों के कन्धे से कन्धा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्योगों का क्षेत्र हो या निर्यात, औषधि या रक्षा उपकरणों के निर्माण का, सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति विश्व में कौतूहल पैदा कर रही है। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के विकास एवं स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है।

उक्त बातें अवनीश कुमार अवस्थी सलाहकार मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने कहीं। वे गुरुवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति प्रकल्प के अन्तर्गत बैंक अर्नस्ट्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की तमाम सारी सरकारी योजनाओं के केन्द्र में महिलाएं हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाए बिना भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने की सोचना बेमानी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिपराइच के विधायक महेन्द्रपाल सिंह ने कहा कि गांवों की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन चुका है और देश के सर्वोत्तम प्रदेश बनने की राह पर है। विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ ही उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी बनाने में मदद करेगा। यहां कार्यशाला से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली प्रत्येक महिला अपने आस-पड़ोस की कुछ महिलाओं को यह हुनर सिखाए, साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त महिला स्वयं सहायता समूह का निर्माण भी करें जिससे हर महिला की आमदनी बढ़ेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि महिलाओं के सहयोग के बिना भारत का विकास संभव नहीं है। कार्यक्रम में सिंगर इंडिया लिमिटेड की एच.आर. हेड श्रीमती अल्पना शरन ने प्रशिक्षुओं को उनके प्रशिक्षण सम्बन्धी पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी अन्य सामान्य जानकारी से परिचित कराया। इससे पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अतिथियों का स्वागत किया। जेके समूह के वाइस प्रेसीडेंट आशीष चौहान ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने एवं आभार डॉ. मंजेश्वर ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

जंगल धूसड़ स्थित महाराणा प्रताप पीजी कालेज में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी। फोटो : एसएनबी

# समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

गोरखपुर, निज संवाददाता। भारत का विकास गांवों के विकास एवं उनके स्वावलम्बन में छिपा है। आज भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी से विकसित देशों के कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्योगों का क्षेत्र हो या निर्यात, औषधि या रक्षा उपकरणों के निर्माण का। सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति विश्व में कौतूहल पैदा कर रही है। ऐसे में हमें आधी आबादी अर्थात महिलाओं के विकास एवं स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है।

यह बातें मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कही। वे गुरुवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स एवं सिंगर ग्रुप द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यशाला महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगा। केन्द्र और राज्य सरकार की तमाम योजनाओं के केन्द्र में महिलाएं हैं।

मुख्य अतिथि पिपराइच के विधायक देवेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस दिशा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद निरन्तर सजग रूप से पूर्वांचल के विकास में अपना सक्रिय योगदान दे रहा है।

विशिष्ट अतिथि डीएम कृष्णा करूणेश ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ ही उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी बनाने में मदद करेगा।

गुरुवार को मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सम्मानित किया। • हिन्दुस्तान

## महिलाओं के सहयोग से ही देश का विकास : जीएन सिंह

अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि महिलाओं के सहयोग के बिना भारत का विकास संभव नहीं है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय महिला सशक्तीकरण की दिशा में अपना सक्रिय सहयोग कर रहा है। महिला सशक्तीकरण एवं स्वावलंबन की दिशा में इस संस्था द्वारा किए जाने वाले कार्य प्रशंसनीय हैं।

## कार्यशाला के बारे में बताया

प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अतिथियों का स्वागत किया। सिंगर इंडिया की एचआर हेड अल्पना शरना ने प्रशिक्षुओं को कार्यशाला के बारे में बताया।

# 12 स्थानों पर शुरू हुआ निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

## गुरुवार को होगा औपचारिक उद्घाटन, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि

अमर भारती ब्यूरो

**गोरखपुर।** महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जेके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश मौजूद रहेंगे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल के बारे में एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस, योगी गंभीरनाथ सेवाश्रम, महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसढ़, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज व महाविद्यालय रमदत्तपुर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही हैं।

निशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण चार केंद्रों के अंतर्गत 12 स्थानों पर शुरू किया गया है। एमपीपीजी कॉलेज केंद्र के अंतर्गत हसनपुर गांव और कॉलेज द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम- 1 केंद्र के अंतर्गत मंझरिया और बड़ी रेतवहिया गांव, सेवाश्रम-2 केंद्र के तहत महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसढ़, छोटी रेतवहिया व चतुर्थ श्रेणी कमर्चारी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एमपीपीजी कॉलेज मे उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी शिप्रा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।

# समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : अवनीश

## एमपी महाविद्यालय में सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। भारत का विकास गांवों के विकास एवं उनके स्वावलंबन में छिपा है। समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत आज सशक्त राजनीतिक नेतृत्व के हाथों में है। भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी से विकसित देशों के कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है।



एमपी महाविद्यालय जंगल धूसड़ में प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी को स्मृति चिह्न भेंट करते डॉ. प्रदीप कुमार राव। संवाद

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहीं। वह महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में बृहस्पतिवार को 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अंतर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लि. और सिंगर इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमें भारत की आधी आबादी के विकास एवं स्वावलंबन के लिए और कार्य करने की जरूरत है। कार्यक्रम को पिपराइच विधायक महेंद्र पाल सिंह, डीएम कृष्णा करुणेश ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अतिथियों का स्वागत किया। जेके समूह के वाइस प्रेसीडेंट आशीष चौहान ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

# महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास : डॉ. मनहर

संवाददाता

- 'महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह'
- 'देश की उन्नति में महिलाओं की पूरी भागीदारी जरूरी : डॉ. श्रेयांश'
- 'महिलाओं को स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम : डॉ शैल शंकर'

गोरखपुर। महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से बहस और चिंता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है। यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह में मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ मनहर चरण ने कहीं।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से किया जा रहा प्रयास अभिनंदनीय एवं सराहनीय है। इस प्रशिक्षण कार्यशाला से उन्हें परिवार को सशक्त बनाने के साथ समाज व देश के विकास में भी योगदान देने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। इस दृष्टिकोण से हमें भारत की आधी आबादी यानी महिलाओं के स्वावलंबन और उनकी आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने आजादी के पूर्व और बाद महिलाओं के हालात पर विशद चर्चा करते हुए कहा कि स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वावलंबी होने से महिलाओं का स्वाभिमान और आत्मसम्मान बढ़ता है। इससे वह प्रतिकूल परिस्थितियों को नकारने की क्षमता प्राप्त कर लेती है। आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी होने से महिलाओं को दीन भावना से भी मुक्ति मिलती है। इसलिए आज के दौर में महिला शक्ति को पराधीन न होकर स्वावलंबी बनना चाहिए।

समापन कार्यक्रम के दूसरे विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ शैल शंकर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा। उन्होंने कहा कि महिला स्वावलंबन का अर्थ केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं है बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में उसकी स्वतंत्रता से है। एक महिला गृहिणी होते हुए भी स्वावलंबी होती है। एक महिला का परिवार एवं समाज की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। इस अवसर पर उन्नत भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक आशीष कुमार सिंह ने प्रगतिविधी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान के तहत सरकारी योजनाओं को आमजन तक बताने एवं पहुंचाने का कार्य किया जाता है। इसी क्रम में उन्नत भारत अभियान में मिशन शक्ति के अंतर्गत निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षित कर स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम संयोजक डॉ मंजेश्वर ने सात दिन तक चली निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुल 1150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला के माध्यम से महिलाओं को सिलाई मशीन के उपकरणों एवं क्रियाविधि के साथ उसके कुशल संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इस प्रशिक्षण के जरिये महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने 1150 परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू की है। इसके आशातीत परिणाम सामने आएंगे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिल्पा, दीपशिखा एवं सोनिका द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम् का सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

# समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : अवनीश अवस्थी

## महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

गोरखपुर। भारत का विकास गांवो के विकास एवं उनके स्वावलम्बन में छिपा है। भारत आज सशक्त राजनैतिक नेतृत्व के हाथों में है। आज भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी में विकसित देशों के कन्धे से कन्धा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्योगों का क्षेत्र हो या निर्यात, औषधि या रक्षा उपकरणों के निर्माण का। सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति विश्व में कौतूहल पैदा कर रही है। आज पूरा विश्व आशा के साथ भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के विकास एवं स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। ऐसे में जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स एवं सिंगर ग्रुप द्वारा आयोजित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला निसन्देह महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर



इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कही। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की तमाम सारी सरकारी योजनाओं के केन्द्र में महिलाएं हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाए बिना भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने की सोचना बेमानी है। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पिपराइच के विधायक महेन्द्रपाल सिंह ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। गांवो की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ ही उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी बनाने में मदद करेगा। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं से स्वयं सहायता समूह के निर्माण की भी बात कही कि इससे हर महिला की आमदनी बढ़ेगी। अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार डॉ. जी.एन.सिंह ने कहा कि महिलाओं के सहयोग के बिना भारत का विकास संभव नहीं है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपना सक्रिय सहयोग कर रहा है। इससे पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत किया। जे.के. समूह के वाइस प्रेसीडेंट आशीष चौहान ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने एवं अतिथि आभार डॉ. मंजेश्वर ने ज्ञापित किया।

---

### महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह

# महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास : डॉ. मनहर

भास्कर ब्यूरो

**गोरखपुर।** महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से बहस और चिंता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है।

यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह में मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ मनहर चरण ने कहीं। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से किया जा रहा प्रयास अभिनंदनीय एवं सराहनीय है। इस प्रशिक्षण कार्यशाला से उन्हें परिवार को शसक्त बनाने के साथ समाज व देश के विकास में भी योगदान देने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। इस दृष्टिकोण से हमें भारत की आधी आबादी यानी महिलाओं के स्वावलंबन और उनकी आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने आजादी के पूर्व और बाद महिलाओं के हालात पर विशद चर्चा करते हुए कहा कि स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वावलंबी होने से महिलाओं का स्वाभिमान और आत्मसम्मान बढ़ता है। इससे वह प्रतिकूल परिस्थितियों को नकारने की क्षमता प्राप्त कर लेती हैं। आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी होने से महिलाओं को हीन भावना से भी मुक्ति मिलती है। इसलिए आज के दौर में महिला शक्ति को परजीवी न होकर स्वावलंबी बनना चाहिए।

---

# महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास: डॉ. मनहर

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही है। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से बहस और चिंता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है।

**प्रशिक्षण**

- महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह

यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह में मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ मनहर चरण ने कहीं। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से किया जा रहा प्रयास अभिनंदनीय एवं सराहनीय है। इस प्रशिक्षण कार्यशाला से उन्हें परिवार को शसक्त बनाने के साथ समाज व देश के विकास में भी योगदान देने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। इस दृष्टिकोण से हमें भारत की आधी आबादी यानी महिलाओं के स्वावलंबन और उनकी आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है।

उन्होंने आजादी के पूर्व और बाद महिलाओं के हालात पर विशद चर्चा करते हुए कहा कि स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वावलंबी होने से महिलाओं का स्वाभिमान और आत्मसम्मान बढ़ता है। इससे वह प्रतिकूल परिस्थितियों को नकारने की क्षमता प्राप्त कर लेती हैं। आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी होने से महिलाओं को हीन भावना से भी मुक्ति मिलती है। इसलिए आज के दौर में महिला शक्ति को परजीवी न होकर स्वावलंबी बनना चाहिए। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इस प्रशिक्षण के जरिये महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने 1150 परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू की है। इसके आशातीत परिणाम सामने आएंगे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवान्या, दीपशिखा एवं सोनिका द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम् का सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

# समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : अवनीश अवस्थी

## महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

(नवभारत)

गोरखपुर। भारत का विकास गांवों के विकास एवं उनके स्वावलम्बन में निहित है। भारत आज सशक्त राजनीतिक नेतृत्व के हाथों में है। आज भारत विकास की सभी दिशाओं में तेजी से विकसित देशों के कन्धे से कन्धा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्योगों का क्षेत्र हो या निर्माण, औषधि या रक्षा उपकरणों के निर्माण का। सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति विश्व में कौतूहल पैदा कर रही है। आज पूरा विश्व आशा के साथ भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात महिलाओं के विकास एवं स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। ऐसे में जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स एवं सिंगर ग्रुप द्वारा आयोजित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला निसन्देह महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाल के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कही। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की तमाम सारी सरकारी योजनाओं के केन्द्र में महिलाएं हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाए बिना भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने की सोचना बेमानी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि भारत के आजादी के शताब्दी वर्ष चाहे 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हम सभी का संकल्प होना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विधायक महेन्द्रपाल सिंह ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। गांवों की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। इस दिशा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद निरन्तर सजग रूप से पूर्वांचल के विकास में अपना सक्रिय योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन चुका है और देश के सर्वोत्तम प्रदेश बनने की राह पर है। विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी कृष्ण करुणेश ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में मदद करेगा। उपस्थित प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को सिर्फ अपने पास तक सीमित न रखें। ज्ञान व हुनर बांटने से बढ़ता है। अतः यहाँ कार्यशाला से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली प्रत्येक महिला का यह धर्म है कि वह अपने आस-पड़ोस की कुछ महिलाओं को यह हुनर सिखाए। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं से स्वयं सहायता समूह के निर्माण की भी बात कही कि इससे हर महिला की आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान समय में गोरखपुर में ऐसे ही 16 लगभग हजार से ज्यादा महिलाओं के स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं तथा विविध सरकारी योजनाओं का लाभ भी ले रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार डॉ. जे.एन. सिंह ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना भारत का विकास संभव नहीं है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपना सक्रिय सहयोग कर रहा है। मिशन शक्ति एवं उन्नत ग्राम अभियान जैसे प्रकल्पों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण एवं स्वावलंबन की दिशा में इस संस्था द्वारा किए जाने वाले कार्य प्रशंसनीय हैं। कार्यक्रम में सिंगर इंडिया लिमिटेड की एच. आर. हेड श्रीमती अल्पना सरन ने उपस्थित प्रतिभुओं को उनके प्रशिक्षण सम्बन्धी महत्वक्रम एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी अन्य सामान्य जानकारी से परिचित कराया। इससे पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राय ने उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत किया। जे.के. समूह के वरिष्ठ प्रेसीडेंट आशीष चौहान ने कार्यक्रम की प्रस्तावित प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिखा सिंह ने एवं अतिथि आभार डॉ. मंजेश्वर ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवांगी, देवांशिका एवं सोनिका द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम का सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

# महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे प्रयास

गोरखपुर(एसएनबी)। महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियां लागू की है। इसी परिप्रेक्ष्य में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास सराहनीय है।

यह बातें डॉ. मनहर चरण आचार्य आईआईटी बीएचयू ने कहीं। वे मंगलवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान में महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

आईआईटी बीएचयू के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। आईआईटी बीएचयू के आचार्य डॉ. शैल शंकर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा।

इस अवसर पर उन्नत भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक आशीष कुमार सिंह ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मंजेश्वर ने सात दिन तक चली निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस दौरान कार्यशाला के माध्यम से महिलाओं को सिलाई मशीन के उपकरणों एवं क्रियाविधि के साथ उसके कुशल संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय मे आयोजित निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन अवसर पर संबोधित करते प्रो मनहर चरण

■ एमपी महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

# महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास : डॉ. मनहर

- महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह
- देश की उन्नति में महिलाओं की पूरी भागीदारी जरूरी: डॉ. श्रेयांश
- महिलाओं को स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम : डॉ. शैल शंकर

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से बहस और चिंता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह में मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ मनहर चरण ने कहीं। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से किया जा रहा प्रयास अभिनंदनीय एवं सराहनीय है। इस प्रशिक्षण कार्यशाला से उन्हें परिवार को सशक्त बनाने के साथ समाज व देश के विकास में भी योगदान देने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ श्रेयांश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। इस दृष्टिकोण से हमें भारत की आधी आबादी यानी महिलाओं के स्वावलंबन और उनकी आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने आजादी के पूर्व और बाद महिलाओं के हालत पर विशद चर्चा करते हुए कहा कि स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वावलंबी होने से महिलाओं का स्वाभिमान और आत्मसम्मान बढ़ता है। इससे वह प्रतिकूल परिस्थितियों को नकारने की क्षमता प्राप्त कर लेती हैं। आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी होने से महिलाओं को हीन भावना से भी मुक्ति मिलती है। इसलिए आज के दौर में महिला शक्ति को परजीवी न होकर स्वावलंबी बनना चाहिए।

समापन कार्यक्रम के दूसरे विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ शैल शंकर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा। उन्होंने कहा कि महिला स्वावलंबन का अर्थ केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं है बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में उसकी स्वतंत्रता से है। एक महिला गृहिणी होते हुए भी स्वावलंबी होती है। एक महिला का परिवार एवं समाज की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। इस अवसर पर उन्नत भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक आशीष कुमार सिंह ने प्रास्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान के तहत सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचे एवं पहुंचने का कार्य किया जाता है। इसी क्रम में उन्नत भारत अभियान में मिशन शक्ति के अंतर्गत निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षित कर स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम संयोजक डॉ मंजेश्वर ने साल दिन तक चली निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुल 1150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला के माध्यम से महिलाओं को सिलाई मशीन के उपकरणों एवं क्रियाविधि के साथ उसके कुशल संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इस प्रशिक्षण के जरिये महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने 1150 परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू की है। इसके आशातीत परिणाम सामने आएंगे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवांग्या, दीपशिखा एवं सोनिका द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम् का सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

# स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी

**आयोजन**

- एमपी पीजी कॉलेज में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ
- महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए

महाराणा प्रताप कॉलेज में आयोजित निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह को मुख्य अतिथि प्रो. मनहर चरण ने संबोधित किया।

गोरखपुर, निज संवाददाता। महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से बहस और चिंता का विषय रही है। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं।

यह बातें आईआईटी बीएचयू के आचार्य डॉ मनहर चरण ने कही। वे मंगलवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान में महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में आयोजित सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एमपी शिक्षा परिषद का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास अभिनंदनीय एवं सराहनीय है।

विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ. श्रेयांश जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है।

विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ शैल शंकर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा। उन्नत भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक आशीष कुमार सिंह ने प्रास्ताविकी प्रस्तुत की। अभियान के कार्यक्रम संयोजक डॉ मंजेश्वर ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अध्यक्षता करते हुए एमपी पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इस प्रशिक्षण के जरिए परिषद ने 1150 परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू की है। इसके आशातीत परिणाम सामने आएंगे। संचालन शिप्रा सिंह ने किया। यह कार्यशाला जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स, कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इंडिया के सहयोग से आयोजित था।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह

# महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास : डॉ. मनहर

## देश की उन्नति में महिलाओं की पूरी भागीदारी जरूरी : डॉ. श्रेयांश

गोरखपुर। महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से बहस और चिंता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है। यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनस्पेस डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित था सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन




समारोह में मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ मनहर चरण ने कहीं। विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। इस दृष्टिकोण से हमें भारत की आधी आबादी यानी महिलाओं के स्वावलंबन और उनकी आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। समापन कार्यक्रम के दूसरे विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ शैल शंकर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा। उन्होंने कहा कि महिला स्वावलंबन का अर्थ केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं है बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में उसकी स्वतंत्रता से है। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इस प्रशिक्षण के जरिये महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने 1150 परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू की है। इसके आशातीत परिणाम सामने आएंगे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवान्या, दीपशिखा एवं सोनिका द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम् का सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

# महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास अभिनंदनीय एवं सराहनीय है: डॉ मनहर चरण

महिलाएं भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग हैं : आचार्य डॉ मनहर चरण




आयोजन

उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति प्रकल्प के अन्तर्गत आयोजित सात दिवसीय नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ समापन

# महिलाओं के स्वावलंबन की ओर ज्यादा करने होंगे प्रयास : डॉ. श्रेयांश



# महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास : डॉ. मनहर

- महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह
- देश की उन्नति में महिलाओं की पूरी भागीदारी जरूरी : डॉ. श्रेयांश
- महिलाओं को स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम : डॉ शैल शंकर




महाराणा प्रताप महाविद्यालय में आयोजित निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. मनहर चरण

(संवाददाता)

गोरखपुर महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से बहस और चिंता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है। यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनस्पेस डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह में मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ मनहर चरण ने कहीं। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से किया जा रहा प्रयास अभिनंदनीय एवं सराहनीय है। इस प्रशिक्षण कार्यशाला से उन्हें परिवार को सशक्त बनाने के साथ समाज व देश के विकास में भी योगदान देने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। इस दृष्टिकोण से हमें भारत की आधी आबादी यानी महिलाओं के स्वावलंबन और उनकी आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने आजादी के पूर्व और बाद महिलाओं के हालात पर विशद चर्चा करते हुए कहा कि स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वावलंबी होने से महिलाओं का स्वाभिमान और आत्मसम्मान बढ़ता है। इससे वह प्रतिकूल परिस्थितियों को नकारने की क्षमता प्राप्त कर लेती हैं। आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी होने से महिलाओं को हीन भावना से भी मुक्ति मिलती है। इसलिए आज के दौर में महिला शक्ति को परजीवी न होकर स्वावलंबी बनना चाहिए। समापन कार्यक्रम के दूसरे विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ शैल शंकर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा। उन्होंने कहा कि महिला स्वावलंबन का अर्थ केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं है बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में उसकी स्वतंत्रता से है। एक महिला गृहिणी होते हुए भी स्वावलंबी होती है। एक महिला का परिवार एवं समाज की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। इस अवसर पर उन्नत भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक आशीष कुमार सिंह ने प्रास्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान के तहत सरकारी योजनाओं को आमजन तक बताने एवं पहुंचाने का कार्य किया जाता है। इसी क्रम में उन्नत भारत अभियान में मिशन शक्ति के अंतर्गत निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षित कर स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम संयोजक डॉ मंजेश्वर ने सात दिन तक चली निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुल 1150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला के माध्यम से महिलाओं को सिलाई मशीन के उपकरणों एवं क्रियाविधि के साथ उसके कुशल संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इस प्रशिक्षण के जरिये महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने 1150 परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू की है। इसके आशातीत परिणाम सामने आएंगे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवान्या, दीपशिखा एवं सोनिका द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम् का सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

# महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास : डॉ. मनहर

## महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह

निष्पक्ष प्रतिदिन । गोरखपुर,ब्यूरो

महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से बहस और चिंता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है। यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई- कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह में मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ मनहर चरण ने कहीं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। इस अवसर पर उन्नत भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक आशीष कुमार सिंह ने प्रास्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान के तहत सरकारी योजनाओं को आमजन तक बताने एवं पहुंचने का कार्य किया जाता है।

> सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है।
>
> -डॉ मनहर चरण

उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम संयोजक डॉ मंजेश्वर ने सात दिन तक चली निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस दौरान कल 1150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इस प्रशिक्षण के जरिये महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने 1150 परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू की है।इसके आशातीत परिणाम सामने आएंगे।

# महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयासः डॉ. मनहर

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से बहस और चिंता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं।

यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह में मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ मनहर चरण ने कहीं। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से किया जा रहा प्रयास अभिनंदनीय एवं सराहनीय है। विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। समापन कार्यक्रम के दूसरे विशिष्ट अतिथि आईआईटी, बीएचयू के आचार्य डॉ शैल शंकर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा। उन्नत भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक आशीष कुमार सिंह ने प्रास्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान के तहत सरकारी योजनाओं को आमजन तक बताने एवं पहुंचने का कार्य किया जाता है। उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम संयोजक डॉ मंजेश्वर ने सात दिन तक चली निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस दौरान कल 1150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला के माध्यम से महिलाओं को सिलाई मशीन के उपकरणों एवं क्रियाविधि के साथ उसके कुशल संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इस प्रशिक्षण के जरिये महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने 1150 परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू की है। इसके आशातीत परिणाम सामने आएंगे। संचालन शिप्रा सिंह ने किया।

# समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : अवनीश अवस्थी

## महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

गोरखपुर (विधान केसरी)। भारत का विकास गांवों के विकास एवं उनके स्वावलम्बन में छिपा है। भारत आज सशक्त राजनैतिक नेतृत्व के हाथों में है। आज भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी में विकसित देशों के कन्धे से कन्धा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्योगों का क्षेत्र हो या निर्यात, औषधि या रक्षा उपकरणों के निर्माण का। सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति विश्व में कौतूहल पैदा कर रही है। आज पूरा विश्व आशा के साथ भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के विकास एवं स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। ऐसे में जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स एवं सिंगर ग्रुप द्वारा आयोजित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला निसन्देह महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रयोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कही। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की तमाम सारी सरकारी योजनाओं के केन्द्र में महिलाएं हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाए बिना भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने की सोचना बेमानी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि भारत के आजादी के शताब्दी वर्ष यानी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हम सभी का संकल्प होना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पिपराइच के विधायक महेन्द्रपाल सिंह ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। गांवों की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में इस प्रकार के



प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। इस दिशा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद निरन्तर सजग रूप से पूर्वांचल के विकास में अपना सक्रिय योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन चुका है और देश के सर्वोत्तम प्रदेश बनने की राह पर है। विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ ही उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी बनाने में मदद करेगा। उपस्थित प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को सिर्फ अपने पास तक सीमित न रखें। ज्ञान व हुनर बांटने से बढ़ता है। अतः यहाँ कार्यशाला से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली प्रत्येक महिला का यह धर्म है कि वह अपने आस-पड़ोस की कुछ महिलाओं को यह हुनर सिखाए। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं से स्वयं सहायता समूह के निर्माण की भी बात कही कि इससे हर महिला की आमदनी बढ़ेगी। महाराणा प्रताप महाविद्यालय महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपना सक्रिय सहयोग कर रहा है। मिशन शक्ति एवं उन्नत भारत अभियान जैसे प्रकल्पों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन की दिशा में इस संस्था द्वारा किए जाने वाले कार्य प्रशंसनीय है। कार्यक्रम में सिंगर इंडिया लिमिटेड की एचआरएण् हेड श्रीमती अल्पना शर्मा ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को उनके प्रशिक्षण सम्बन्धी पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी अन्य सामान्य जानकारी से परिचित कराया। इससे पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत किया। जेके समूह के वाइस प्रेसीडेंट आशीष चौहान ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने एवं अतिथि आभार डॉ. मंजेश्वर ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवांन्या, दीपशिखा एवं मोनिका द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम् का सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

| | |
|---|---|
| ग्राम प्रधान | ⇨ श्री राजेन्द्र प्रसाद |
| बी.डी.सी. सदस्य | ⇨ श्री जय राम |
| बी.डी.सी. सदस्य | ⇨ श्री गब्बर निषाद |
| बी.डी.सी. सदस्य | ⇨ श्री अशोक निषाद |
| बी.डी.सी. सदस्य | ⇨ श्री अमित चौहान |
| सदस्य | ⇨ श्री तिरथ यादव |
| सदस्य | ⇨ श्री सुनिल चौहान |
| सदस्य | ⇨ श्री कन्हई निषाद |
| सदस्य | ⇨ श्री केशव |
| सदस्य | ⇨ श्री राम चरन चौहान |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का/कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्जवला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल/सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | श्री रामानन्द | 34 | दुकान (किराना) | 9000 मासिक | 02 मण्डा | – | पक्का | लागू नहीं | लागू नहीं | हाँ | लागू नहीं | नहीं | नहीं | माता के पेंशन के लिए आवेदन आता नहीं | सफेद |
| 4 | श्रीमती कमिनी | 60 | मजदूरी | 300 दैनिक | 01 मण्डा | – | पक्का | नहीं मिलता | नहीं मिलता | नहीं | लागू है | – | है | – | लाल |
| 5 | श्री बिहुल निषाद | 70 | मजदूरी | 300 दैनिक | 1.5 डेसीमल | – | कच्चा | नहीं मिलता है | लागू नहीं | नहीं मिला है। | नहीं मिलता है। | – | नहीं | – | सफेद |
| 3 | श्रीमती रमावती | 60 | मजदूरी | 300 दैनिक | 02 मण्डा | – | पक्का | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | पहले से मिला है। | – | खुला है। | – | लाल |
| 5 | श्रीमती लखनीना | 75 | बेटे विदेश में सेन्टर है। | 1,50000 वार्षिक | 1 बीघा | – | कच्चा | नहीं मिलता | नहीं मिलता | नहीं है | हाँ | – | खुला है। | – | सफेद |
| 8 | श्री दिनेश | 34 | मिस्त्री | 9000 मासिक | नहीं है। | – | पक्का | लागू नहीं | लागू नहीं | नहीं | नहीं | – | नहीं है। | – | सफेद |
| 4 | श्री जनार्दन | 35 | मजदूरी/8 पास | 300 दैनिक | नहीं है। | – | पक्का | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | हाँ | – | नहीं | – | सफेद |
| 4 | श्रीमती सुरेश देवी | 60 | मजदूरी | 300 दैनिक | नहीं | – | पक्का | लागू नहीं | नहीं मिलता | नहीं | नहीं | – | नहीं | – | सफेद |
| 5 | श्रीमती इमरती देवी | 30 | फल–सब्जी बेचती है। | तय नहीं | नहीं | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | पहले से है | – | खुला है। | – | लाल |
| 3 | श्री सोनू | 29 | मजदूर | 300 दैनिक | नहीं | – | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | – | नहीं | – | लाल |
| 5 | श्री सुधीर | 40 | राजमिस्त्री | 8000 मासिक | नहीं | – | पक्का | लागू नहीं | लागू नहीं | नहीं मिला | नहीं मिला | – | नहीं | – | लाल |
| 7 | श्री रवीन्द्र चौहान | – | सऊदी में रहते है। | – | – | – | पक्का | – | – | है | है | – | है | – | पीला |
| 5 | श्री नन्दू | 40 | लेबर | 300 दैनिक | नहीं | नहीं | कच्चा | पात्र नहीं | पात्र नहीं | नहीं | हाँ | – | नहीं | – | सफेद |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य / शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का / कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्जवला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला / लाल / सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | श्री रामअवतार | 45 | मजदूरी | 300 दैनिक | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | – | नहीं | – | नहीं |
| 3 | श्री राजकुमार | 25 | ड्राइवर | 25000 | नहीं | नहीं | कच्चा | लागू नहीं | लागू नहीं | नहीं | नहीं | – | नहीं | – | नहीं |
| 8 | श्री नगीना निषाद | 50 | मिस्त्री | 36,000 | हाँ | – | पक्का | – | – | – | – | – | हाँ | – | सफेद |
| 4 | जीना निषाद | 46 | मजदूरी | 36,000 | हाँ | – | कच्चा | – | – | हाँ | हाँ | – | हाँ | – | सफेद |
| 5 | अरुण निषाद | 27 | मजदूरी | 48,000 | नहीं | – | पक्का | – | – | हाँ | – | – | हाँ | – | सफेद |
| 4 | अशोक कुमार | 39 | मजदूरी | 48,000 | नहीं | – | पक्का | – | – | नहीं | हाँ | – | हाँ | – | सफेद |
| 2 | धर्मेन्द्र | 40 | मिस्त्री / नहीं | 72,000 | नहीं | – | कच्चा | – | – | नहीं | नहीं | – | नहीं | – | लाल |
| 4 | बनवारी निषाद | 26 | मजदूरी | 36,000 | हाँ | – | पक्का | – | – | नहीं | नहीं | – | नहीं | – | सफेद |
| 8 | रामप्रीत निषाद | 50 | मिस्त्री | – | हाँ | – | पक्का | – | – | नहीं | नहीं | – | नहीं | – | सफेद |
| 9 | मोतीराम | 50 | सरकारी नौकरी | 108000 | नहीं | – | पक्का | – | – | हाँ | हाँ | – | हाँ | – | लाल |
| 5 | कन्हैयालाल निषाद | 40 | पेंटिंग / 9 वी पास | 108000 | हाँ | – | पक्का | – | – | नहीं | हाँ | – | हाँ | – | सफेद |
| 5 | भगवती निषाद | 38 | मजदूरी | 36,000 | हाँ | – | कच्चा | – | – | हाँ | हाँ | – | हाँ | – | सफेद |
| 4 | रामविलास चौहान | 45 | मिस्त्री / 8वी पास | | हाँ | – | पक्का | – | – | नहीं | नहीं | – | हाँ | – | सफेद |
| 4 | गोलू | 50 | मजदूरी | – | हाँ | – | पक्का | – | – | नहीं | हाँ | – | हाँ | – | सफेद |
| 5 | जगदीश निषाद | 35 | मजदूरी | 72,000 | नहीं | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | – | लाल |
| 6 | नेबू लाल चौहान | 65 | रिटायर्ड / 5वी पास | आटा गलत है। | हाँ | – | पक्का | हाँ | नहीं | हाँ | हाँ | – | हाँ | – | सफेद |
| 3 | रामविलास निषाद | 30 | मजदूरी | 9000 | हाँ | – | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | – | नहीं | – | नहीं है |
| 6 | रामेश्वर | 45 | मजदूरी | 9000 | हाँ | – | कच्चा | – | – | नहीं | हाँ | – | हाँ | – | सफेद |
| 6 | रामअवतार निषाद | 45 | मजदूरी | 15,000 | हाँ | – | पक्का | – | – | नहीं | हाँ | – | नहीं | – | सफेद |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का/कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्ज्वला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल/सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | रेखा चौहान | 40 | गृहिणी/साक्षर | 10,000 | नहीं | — | कच्चा | — | नहीं | नहीं | हाँ | — | हाँ | — | सफेद |
| 8 | जोगिन्दर चौहान | 35 | मजदूर/साक्षर | 20,000 | नहीं | — | कच्चा | — | — | नहीं | नहीं | — | नहीं | — | नहीं है |
| 5 | जगदीश | 45 | मजदूरी | नहीं | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | | नहीं |
| 4 | परशुराम | 70 | मजदूरी | नहीं | एक मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | — | लाल |
| 8 | मिश्री निषाद | 74 | मजदूरी | 18000रू. | नहीं | नहीं | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | शौचालय निर्माण | नहीं | — | सफेद |
| 11 | श्री हरि लाल | 70 | कुछ नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | — | नहीं |
| 6 | श्री योगेन्द्र प्रसाद | 46 | मजदूरी | 800< मासिक | 24 बीसविस्वा [illegible] | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | — | पीला |
| 6 | श्री रंजीत | 54 | ड्राइवर | 600< मासिक | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | — | सफेद |
| 6 | श्री कन्हैया | 45 | पेन्टर | 5,000 मासिक | बोझा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | हाँ | — | लाल |
| 6 | श्री जन्नाई | 35 | फर्नीचर | नहीं | बोझा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | हाँ | — | नहीं |
| 6 | श्री बब्लू | 45 | मिस्त्री | नहीं | डेढ़ मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | शौचालय निर्माण | हाँ | — | नहीं |
| 4 | श्री अशोक | 63 | लेबर | 9,000रू. | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | शौचालय निर्माण | नहीं | — | लाल |
| 8 | श्री सुनील | 35 | ड्राइवर | 5,000रू. | 1 बीघा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | हाँ | नहीं | नहीं | — | सफेद |
| 3 | मुखिया | 95 | कुछ नहीं | 5,000रू. | नहीं | नहीं | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | | पीला |
| 5 | पवन | 22 | मिस्त्री/8 पास | नहीं | 1 मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | — | लाल |
| 13 | महेन्द्र प्रजापति | 70 | R.E.L. सेवानिवृत्त | 60000 रू. | एक एकड़ | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | हाँ | शौचालय | हाँ | — | सफेद |
| 6 | कमला देवी | 55 | कुछ नहीं | 9000 रू. | आधा मण्डा | नहीं | पक्का | हाँ | नहीं | हाँ | हाँ | शौचालय | नहीं | — | नहीं |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का/कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्ज्वला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल/सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | श्री शिवप्रसाद | | | – | – | – | पक्का | लागू नहीं | लागू नहीं | हाँ | लागू है | शौचालय | हाँ | – | लाल |
| 6 | श्री मोहन | | राजमिस्त्री | | एक मण्डा | – | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | हाँ | शौचालय | नहीं | – | सफेद |
| 6 | श्री ध्रुव लाल निषाद | | राजमिस्त्री | | दो मण्डा | | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | शौचालय | नहीं | – | लाल |
| 5 | श्री झाबे | | राजमिस्त्री | | एक मण्डा | | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | शौचालय | हाँ | – | सफेद |
| 5 | श्री रामनयन | | मजदूरी | | आधा मण्डा | | पक्का | – | – | – | – | शौचालय | – | – | |
| 6 | श्री विश्राम निषाद | | मजदूरी | | दो मण्डा | | कच्चा | – | – | – | – | शौचालय | – | – | सफेद |
| 2 | भोला | | मजदूरी | | एक मण्डा | | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय | नहीं | – | – |
| 1 | गुजराती | | गृहणी | | एक मण्डा | | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | शौचालय | नहीं | – | सफेद |
| 8 | रूकमणी | | लेबर | | एक मण्डा | | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय | नहीं | – | – |
| 5 | श्री कमलेश चौहान | | लेबर | | आधा मण्डा | | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय | नहीं | – | लाल |
| 5 | श्री नगीना निषाद | | विद्यालयक | | नहीं | | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | शौचालय | हाँ | – | लाल |
| 5 | श्री मोहन लाल निषाद | 55 | ड्राइवर | | एक कट्ठा | | कच्चा | – | नहीं | हाँ | हाँ | | हाँ | – | सफेद |
| 12 | श्री राजमती देवी | | – | | दो मण्डा | | पक्का | – | नहीं | नहीं | नहीं | | हाँ | – | सफेद |
| 11 | संगती देवी | | | | | | कच्चा | – | नहीं | नहीं | हाँ | | हाँ | – | सफेद |
| 5 | केसरा | | | | एक मण्डा | | पक्का | – | नहीं | नहीं | नहीं | | नहीं | – | सफेद |
| 6 | रामजतन निषाद | | होटल में कार्यरत | | दो मण्डा | | पक्का | – | नहीं | हाँ | नहीं | | नहीं | – | सफेद |
| 5 | रामनयन | | व्यवसाय | | | | पक्का | – | | हाँ | नहीं | | नहीं | – | |
| 15 | राजपति देवी | | | | एक मण्डा | | पक्का | – | | – | – | | – | – | सफेद |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का /कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्जवला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल /सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | श्री शम्भू | | मजदूरी | | नहीं | | पक्का | – | नहीं | नहीं | हाँ | | - | - | सफेद |
| 7 | श्री बाले चौहान | | | | आधा मण्डा | | पक्का | – | नहीं | नहीं | नहीं | | हाँ | – | सफेद |
| 7 | अमरनाथ | 45 | पेन्टर / 8 वी पास | 18000 | एक मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | नहीं | हाँ | शौचालय की समस्या | सफेद |
| 13 | राम आसरे चौहान | 60 | वृद्ध बाजार | 6000 | एक मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय है पर पूरा पैसा नहीं मिला है। | नहीं | नाली नहीं | नहीं है |
| 1 | भगवती | 69 | 5 पास | नहीं | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | शौचालय | हाँ | अकेले रहती है | सफेद |
| 4 | बिशुन | 69 | – | 9000 | एक मण्डा | नहीं | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | नहीं | नहीं | लाल |
| 9 | मोलई प्रसाद | 70 | मजदूर | – | दो मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | सरकार द्वारा | नहीं | हाँ | नहीं | लाल |
| 7 | दीनानाथ मद्धेशिया | 80 | मजदूरी | 9000 | बारह डिसमिल | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | एक व्यक्ति विकलांग | नहीं |
| 7 | गोरखनाथ शर्मा | 60 | छोटी दुकान 10वीं पास | 5000 | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | नाली राशन कार्ड नहीं है। | नहीं |
| 4 | विष्णु | 70 | – | 6000 | एक मण्डा | नहीं | कच्चा | नहीं | नहीं | हाँ | हाँ | शौचालय | नहीं | नाली की समस्या | सफेद |
| 3 | बासमती | 40 | गृहिणी / साक्षर | 24000 | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नाली की समस्या | लाल |
| 3 | राधिका निषाद | 69 | गृहिणी | नहीं | 30 डिसमिल | नहीं | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | हाँ | नहीं | पेंशन नहीं | सफेद |
| 7 | शारदा निषाद | 70 | गृहिणी | 9000 | 10 डिसमिल | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | हाँ | नहीं | विधवा पेंशन की समस्या | लाल |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का/कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्जवला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल/सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | श्रीमती सुमित्रा देवी | 60 | कुछ नहीं | 8000 | 15 डिसमिल | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | | सफेद |
| 6 | संजय निषाद | 40 | 5वीं पास | 6000 मासिक | 16 डिसमिल | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नाली व कुड़े की समस्या | सफेद |
| 3 | प्रेम शिला निषाद | 45 | गृहणी | 9000 | 2 डिसमिल | नहीं | पक्का सरकारी | नहीं | नहीं | नहीं | है | हाँ | नहीं | [illegible] नहीं मिलता | लाल |
| 5 | रमेश | 40 | – | – | आधा मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | है | नहीं | हाँ | – | – |
| 16 | मेघू लाल चौहान | 60 | | | 03 डिसमिल | 300000 | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | नहीं | नहीं | पैरा लाइसिस ग्रस्त | सफेद |
| 8 | बधास चौहान | 70 | गृहणी | | – | 250000 | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | – | लाल |
| 6 | रामधारी चौहान | 38 | राजगीर | 160000 | 07 डिसमिल | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय | नहीं | – | नहीं |
| 4 | चंद्रबलि चौहान | 35 | मजदूरी | 100000 | 07 डिसमिल | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | – | हाँ | – | सफेद |
| 4 | गिरधारी लाल चौहान | 45 | मजदूरी | 108000 | 07 डिसमिल | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | है | शौचालय | हाँ | – | लाल |
| 5 | रामबलि चौहान | 40 | मजदूरी | 108000 | 07 डिसमिल | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | हाँ | – | सफेद |
| 4 | पारसनाथ निषाद | 45 | – | | 05 बीघा | – | कच्चा+पक्का | एकबार मिला | नहीं | नहीं | नहीं | | – | पैरा लाइसिस ग्रस्त | |
| 5 | शम्भू निषाद | 50 | मजदूरी | 108000 | नहीं | – | पक्का | मिलता है। | नहीं | नहीं | नहीं | राशन मिलता है। | – | – | |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का/कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है ()) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्ज्वला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल/सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 13 | सिनिरती देवी | 60 | गृहणी | – | नहीं | 300000 | पक्का | लागू मिलता है | लागू है मिलता नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय 6000 प्राप्त | नहीं | – | सफेद |
| 4 | कलावती देवी | 40 | गृहणी | – | नहीं | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | – | बना है |
| 6 | रामवृक्ष निषाद | 69 | – | – | 02 मण्डा | 72000 | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | | – | पीला |
| 8 | नरायण | 75 | सेवानिवृत्त रेलवे | 180000 | – | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय | हाँ | | सफेद |
| 7 | माना देवी | 70 | पेंशन प्राप्तकर्ता | 72000 | नहीं | – | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | शौचालय | नहीं | | नहीं |
| 2 | [illegible] | 60 | गृहणी/मजदूर | 240000 | 1 बीघा | – | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | | लाल |
| 11 | [illegible] देवी | 60 | गृहणी | | 30 डिसमिल | 108000 | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | कोई लाभ नहीं | नहीं | – | – |
| 4 | [illegible] | 29 | ड्राईवर/पढ़ाई नहीं किये है। | 6000 मासिक | 02 मण्डा | – | पक्का | नहीं | नहीं | लागू नहीं | लागू है | नहीं | है | शौचालय सरकारी बना है। | नहीं है |
| 7 | पुजारी निषाद | 70 | किसान | 9000 | 45 डिसमिल | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | कोई लाभ नहीं | नहीं | सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला | पीला |
| 7 | [illegible] | 70 | कृषक | 12000 मासिक | 2 मण्डा | – | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | कोई लाभ नहीं | खोला गया था वर्तमान में बन्द | सरकारी शौचालय नहीं बना | नहीं |
| 7 | [illegible] | 40 | ड्राइवर/कक्षा 8 पास | 8000 मासिक | 2 मण्डा | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | कोई लाभ नहीं | नहीं | वृद्ध है पेंशन नहीं मिलता है। | नहीं |
| 13 | रामवृक्ष | 80 | कृषक | – | एक बिगहा | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | हाँ | नहीं | सफेद |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का/कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्ज्वला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल/सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | रमेश निषाद | 24 | लेबर | 6000 | दो मण्डा | — | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | राशन कार्ड नहीं है | पर्ची पर मिलता है। |
| 6 | जयहिन्द निषाद | 30 | मजदूर/6 पास | 6000 | 1 मण्डा | — | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | नहीं | | सफेद |
| 4 | विरेन्द्र निषाद | 35 | मिस्त्री | 9000 | 1मण्डा | — | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | शौचालय | नहीं | — | सफेद |
| 3 | श्री रामजनम | 35 | मिस्त्री | 6000 मासिक | नहीं | — | घर बन रहा है। | पात्र नहीं | पात्र नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | कूड़ेदान की आवश्यकता, नाला नहीं है। | सफेद |
| 4 | जितेन्द्र | 35 | मिस्त्री/6 पास | 1000 मासिक | नहीं | — | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | नहीं | घर की समस्या नाली की समस्या | सफेद |
| 4 | नन्दू प्रसाद | 40 | अध्यापक/M.Ed | 40,000 | नहीं | — | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं है। |
| 11 | चुन्नीलाल | 55 | मजदूर/साक्षर | 60,000 | 3 मण्डा | कृषि | पक्का | नहीं | नहीं | फार्म भरा गया है | नहीं | कोई लाभ नहीं | हाँ | — | पीला |
| 4 | अजय उर्फ पप्पू | 35 | मजदूर/कक्षा 8 | 10,000 मासिक | नहीं | 1 लड़का मजदूरी करता है। | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | कोई लाभ नहीं | नहीं | शौचालय बना है। | सफेद |
| 4 | अशोक | 35 | मजदूर/पढ़ाई नहीं किये | 9000 मासिक | 1 मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | लागू नहीं है गैस पहले से है। | नहीं | हाँ | — | सफेद |
| 3 | गुड्डू सहानी | 30 | मजदूरी | 4200 | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | — | — | शौचालय बना है। | सफेद |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य / शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन—पक्का / कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्जवला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन—धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला / लाल / सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | जलंधर | 25 | लेबर / साक्षर | 10000 | नहीं | नहीं | कच्चा | पात्र नहीं | पात्र नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | न पैसा मिला, न शौचालय मिला | नहीं बना |
| 5 | गुड्डू साहनी | 35 | मिस्त्री / 5 पास | — | 1 मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | कोई लाभ नहीं | हाँ | शौचालय नहीं है | सफेद |
| 4 | गुजराती | 75 | गृहणी | नहीं है | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | लागू नहीं गैस पहले से है | कुछ नहीं | नहीं | सरकारी योजना का लाभ नहीं | सफेद |
| 4 | गब्बर | 30 | राजमिस्त्री / कक्षा 8 तक | 10,000 | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | है | लागू नहीं गैस पहले से है | शौचालय बना है। | नहीं | — | नहीं बना |
| 4 | रामप्रित चौहान | 45 | राजमिस्त्री / पढ़ाई नहीं किये | 20,000 मासिक आय | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | हाँ | हाँ | नहीं | नहीं | राजवती महाविद्यालय में पढ़ती है। | सफेद |
| 2 | शेरू | 20 | मजदूर / पढ़े नहीं है। | 10000 | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | कुछ नहीं | नहीं | गैस नहीं है | लाल |
| 6 | रामसेवक निषाद | 65 | — | — | 2 मण्डा | नहीं | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय बना है। | नहीं | नहीं नाली की समस्या | लाल |
| 6 | श्री महेन्द्र चौहान | 50 | लेबर | 36000 वार्षिक | हाँ | — | आवश्यकता है। | — | — | आवेदन किया, लाभ नहीं मिला | हाँ | नहीं | नहीं | पक्का मकान की आवश्यकता | सफेद |
| 4 | श्रीमती अशरफी देवी | 80 | गृहणी | 10000 वार्षिक | नहीं | नहीं | नहीं | — | — | — | — | कोई लाभ नहीं मिला | नहीं | पक्का मकान की आवश्यकता | सफेद |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का/कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्ज्वला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल/सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | श्री मुरारी चौहान | 35 | लेबर | 2000 मासिक | नहीं | नहीं | झोपड़ी | – | – | – | नहीं | नहीं | नहीं | पक्का मकान की आवश्यकता | लाल |
| 6 | श्री लाल जी | 70 | किसान/बाजार | | हाँ | स्वरोजगार व (डिप्लोमा) | पक्का | – | – | – | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | – |
| 4 | मोहित | 35 | मजदूर/निरक्षर | 5000 मासिक | हाँ | नहीं | पक्का | – | – | नहीं | हाँ | नहीं | नहीं | | सफेद |
| 4 | रामरती देवी | 70 | | | हाँ | नहीं | पक्का | फार्म भरा गया है पेंशन नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय | नहीं | | सफेद |
| 4 | भगवती चौहान | 84 | | 9000 मासिक | हाँ | नहीं | पक्का | – | – | – | – | – | हाँ | वृद्ध है पेंशन नहीं मिलता है। | सफेद |
| 14 | बिरजन | 63 | | 6800 मासिक | हाँ | – | पक्का | – | – | – | – | – | हाँ | | |
| 6 | लल्लन | 50 | मजदूर | – | हाँ | – | पक्का | – | – | – | हाँ | – | हाँ | नाली की समस्या | लाल |
| 6 | सीताराम | 70 | पाँचवी पास | – | हाँ | नहीं | पक्का | – | – | हाँ | नहीं | शौचालय | नहीं | | सफेद |
| 6 | रामदयाल | 50 | | – | हाँ | नहीं | पक्का | – | – | हाँ | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय नहीं बना | |
| 3 | गुड्डु सहानी | 40 | मजदूरी/8 पास | 5000 | हाँ | नहीं | पक्का | – | – | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | – | सफेद |
| 4 | मुख्तार निषाद | 42 | लेबर | 8,000 | नहीं | नहीं | पक्का | – | – | नहीं | नहीं | शौचालय बना है | नहीं | – | कोई नहीं है रसीद पर राशन मिलता है। |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य / शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन—पक्का / कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्जवला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला / लाल / सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | श्री मुरारी चौहान | 35 | लेबर | 2000 मासिक | नहीं | नहीं | झोपड़ी | — | — | — | नहीं | नहीं | नहीं | पक्का मकान की आवश्यकता | लाल |
| 6 | श्री लाल जी | 70 | किसान / व्यापार | | हाँ | स्वरोजगार व (डिप्लोमा) | पक्का | — | — | — | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | — |
| 4 | मोहित | 35 | मजदूर / निरक्षर | 5000 मासिक | हाँ | नहीं | पक्का | — | — | नहीं | हाँ | नहीं | नहीं | | सफेद |
| 4 | रामरती देवी | 70 | | | हाँ | नहीं | पक्का | फार्म भरा गया है पेंशन नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय | नहीं | | सफेद |
| 4 | भगवती चौहान | 84 | | 9000 मासिक | हाँ | नहीं | पक्का | — | — | — | — | — | हाँ | वृद्ध है पेंशन नहीं मिलता है। | सफेद |
| 14 | बिरजन | 63 | | 6800 मासिक | हाँ | — | पक्का | — | — | — | — | — | हाँ | | |
| 6 | लल्लन | 50 | मजदूर | — | हाँ | — | पक्का | — | — | — | हाँ | — | हाँ | नाली की समस्या | लाल |
| 6 | सीताराम | 70 | पाँचवी पास | — | हाँ | नहीं | पक्का | — | — | हाँ | नहीं | शौचालय | नहीं | | सफेद |
| 6 | रामदयाल | 50 | | — | हाँ | नहीं | पक्का | — | — | हाँ | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय नहीं बना | |
| 3 | गुड्डू सहानी | 40 | मजदूरी / 8 पास | 5000 | हाँ | नहीं | पक्का | — | — | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | — | सफेद |
| 4 | मुख्तार निषाद | 42 | लेबर | 8,000 | नहीं | नहीं | पक्का | — | — | नहीं | नहीं | शौचालय बना है | नहीं | — | कोई नहीं है रसीद पर राशन मिलता है। |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का/कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्जवला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल/सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | अमरनाथ | 35 | मजदूर/निरक्षर | 10000 मासिक | हाँ | — | पक्का | — | — | नहीं | हाँ | भारत स्वास्थ्य अभियान का लाभ मिला | नहीं | — | सफेद |
| 3 | महेन्द्र | 27 | मजदूर/निरक्षर | 15000 मासिक | नहीं | — | कच्चा | — | — | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | — | नहीं |
| 4 | मुकेश | 30 | राजमिस्त्री/साक्षर | 15000 मासिक | हाँ | — | पक्का | — | — | — | — | शौचालय | हाँ | — | नहीं |
| 5 | केदारनाथ | | | 4200 मासिक | हाँ | — | कच्चा | हाँ | — | हाँ | — | — | | — | |
| 5 | शिवशंकर चौहान | 45 | | | हाँ | — | — | — | — | — | हाँ | — | | — | सफेद |
| 3 | झिनक निषाद | 50 | कृषक | | नहीं | नहीं | पक्का | — | — | नहीं | हाँ | — | हाँ | — | लाल |
| 3 | रंगीलाल | 65 | मजदूरी/साक्षर | 30000 | हाँ | — | पक्का | — | — | नहीं | — | शौचालय | हाँ | — | सफेद |
| 3 | राजपती | — | मजदूरी | हाँ | 3 मण्डा | — | कच्चा | लागू नहीं | नहीं | हाँ | हाँ | | हाँ | — | सफेद |
| 3 | श्री कंचन निषाद | 29 | राजगिरी (मिस्त्री) | — | आधा मण्डा | — | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | कनेक्शन था इसलिए नहीं मिला | | हाँ | — | — |
| 10 | राधेश्याम प्रजापति | 65 | सेवानिवृत्त/साक्षर | — | डेढ़ मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | पात्र नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | शौचालय नहीं मिल सका | नहीं |
| 6 | गोविन्द चौहान | 44 | मिस्त्री | 300 रू. दैनिक | 2 मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | — | हाँ | | पीला |
| 6 | प्रदीप चौहान | 34 | मजदूर/7 वीं पास | 300 रू. दैनिक | 1 मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | नहीं | हाँ | राशन कार्ड यहाँ का नहीं है | नहीं |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का/कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्जवला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल/सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | प्रभु निषाद | 40 | मजदूर/8वीं पास | – | नहीं | मजदूरी | पक्का | नहीं | – | नहीं | नहीं | नहीं | है | – | – |
| 5 | बलवन्त | 40 | मजदूर/8वीं पास | 10,000 रू मासिक | हाँ | मजदूरी | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | है | नहीं | है | | सफेद |
| 4 | पन्ने लाल निषाद | 40 | मजदूर (निरक्षर) | – | नहीं | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | है | हाँ | है | – | सफेद |
| 4 | बालकिशुन निषाद | 34 | मजदूरी | 300 रू दैनिक | 3 कट्ठा | पुत्नी सिलाई करती है। | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | – | है | – | सफेद |
| 2 | शंकर निषाद | 26 | पेन्टर (मजदूरी) | 100 रू दैनिक | डेढ मण्डा | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | नहीं | – | नहीं | – | नहीं |
| 2 | इन्द्रावती देवी | 70 | फल बेचती है। | – | नहीं | – | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | है | शौचालय सरकार द्वारा प्राप्त | है | नाली पानी की समस्या | नहीं |
| 7 | त्रिलोकी | 50 | 12 तक की पढ़ाई | | नहीं | | कच्चा | नहीं | नहीं | हाँ | है | शौचालय सरकार द्वारा प्राप्त | है | | नहीं |
| 4 | मेवाती | 48 | बर्तन धुलती है। | – | 1 मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | नहीं | है | नहीं | है | – | लाल |
| 4 | दिलीप निषाद | 26 | मजदूरी | 300 रू दैनिक | नहीं | नहीं | कच्चा | नहीं | नहीं | लागू नहीं | है | शौचालय का निर्माण | है | – | लाल |
| 4 | सुरेश निषाद | 34 | मजदूरी | 300 रू दैनिक | 1 मण्डा | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | लागू नहीं | है | शौचालय का निर्माण | है | नाली नहीं बना है। | सफेद |
| 4 | रामदरश निषाद | 31 | मजदूरी | 300 रू दैनिक | 6 डिसमिल | नहीं | पक्का | नहीं | नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | शौचालय का निर्माण | है | नाली नहीं बना है। | सफेद |
| 6 | रविन्दरी | 59 | – | – | आधा मण्डा | – | पक्का | नहीं | 5 साल से नहीं आ रहा है। | हाँ | नहीं | | है | – | सफेद |

# मिशन मंझरिया : 2023&24

| परिवार की संख्या | नाम | उम्र | कार्य/शिक्षा | आय यदि है तो | कृषि योग्य भूमि | अन्य आय के स्रोत | भवन–पक्का/कच्चा | वृद्धा पेंशन (यदि लागू है।) | विधवा पेंशन (लागू है) | आयुष्मान योजना (यदि लागू है) | उज्जवला योजना (यदि लागू है) | किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ | जन–धन खाता | अन्य कोई जानकारी | राशन कार्ड (पीला/लाल/सफेद) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राम आसरे | 60 | – | – | 2 मण्डा | – | – | – | – | नहीं | नहीं | | हाँ | – | – |
| 3 | श्री रामसरन | 27 | मजदूरी | 8000 मासिक | नहीं | नहीं | कच्चा | नहीं | नहीं | नहीं मिला (आवेदन किया गया | नहीं मिला आवेदन किया गया है। | | नहीं | गैस मकान नाली की आवश्यकता | गेहू+चावल |
| 4 | लाल बिहारी | 32 | मजदूरी | 5000 मासिक | नहीं | नहीं | कच्चा | पात्र नहीं | नहीं | नहीं | हाँ | नहीं | नहीं | पक्का मकान नाली की आवश्यकता | गेहू+चावल+ मिट्टी का तेल |

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी 'बी'

# महाराणा प्रताप महाविद्यालय,

## जंगल धूसड़, गोरखपुर-273014